



न्यायालय

## सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

थानागाजी-अलवर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र संख्या:- 2021/7

दर्ज तिथि:- 27.01.2021

1. कल्याण सहाय पुत्र प्रभूदयाल (मृतक)

1.1 बसन्ती देवी पत्नी कल्याण सहाय

1.2 भरतराम पुत्र कल्याण सहाय

1.3 भगवान सहाय पुत्र कल्याण सहाय

1.4 देवी सहाय पुत्र कल्याण सहाय

1.5 मूरली धर पुत्र कल्याण सहाय

1.6 गिर्राज प्रसाद पुत्र कल्याण सहाय

1.7 महेशचंद पुत्र कल्याण सहाय

1.8 खेमचंद पुत्र कल्याण सहाय

समस्त जाति हरियाणा ब्राह्मण निवासी जोधावास तहसील थानागाजी अलवर।

.... प्रार्थीगण

बनाम्

1. पूनम वर्मा पत्नी दिनेश वर्मा जाति सुनार निवासी जोधावास तहसील थानागाजी अलवर।

2. कैलाश चंद पुत्र रामचंद्र

3. महादेव प्रसाद पुत्र रामचंद्र

4. लल्लूराम पुत्र रामचंद्र

समस्त जातियान हरियाणा ब्राह्मण निवासी ग्राम जोधावास तहसील थानागाजी जिला अलवर

.....अप्रार्थीगण

उपस्थित

प्रार्थी अधिवक्ता-श्री दी.पी दीक्षित

अप्रार्थी अधिवक्ता:- श्री महेन्द्र शर्मा

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

-:निर्णय:-

दिनांक 03.07.2023

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-क राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-'क' के अन्तर्गत एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थीगण की खातेदारी आराजी 448/1.15 है0 वाके ग्राम जोधावास तहसील थानागाजी पर कृषि काश्त के लिए हाल आराजी खसरा संख्या 673/408/1.27 है0, 674/408/1.34 है0 वाके ग्राम जोधावास से होकर एक रास्ता मौके पर चालू है। प्रार्थी उक्त रास्ते से होकर ही कृषि कार्य हेतु आमद रफत



करते हैं। उक्त रास्ते के अतिरिक्त प्रार्थी को अन्य कोई वैकल्पिक रिकॉर्डेड रास्ते नहीं होने के कारण प्रार्थी को रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता है। प्रार्थी ने अंत में उक्त खसरा संख्या 673/408/1.27 है0, 674/408/1.34 है0 वाके ग्राम जोधावास में से होकर मौके पर चालू रास्ते को नवीन रास्ता बाबत कृषि कार्य हेतु राजस्व रिकॉर्ड दर्ज कर प्रार्थना पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया।

2. प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को तलब किया गया। अप्रार्थीगण असागतन वकालतन उपस्थित न्यायालय होकर जवाब प्रस्तुत नहीं कर मौका रिपोर्ट के आधार पर अंतिम बहस निवेदन किया। प्रकरण में तहसीलदार थानागाजी से राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 के अनुसार मौका जॉच रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार थानागाजी के द्वारा दिनांक 24.02.2023 के द्वारा मौका रिपोर्ट प्रेषित की गई।
3. विद्वान अभिभाषक प्रार्थी ने दौराने—ए—जिरह प्रार्थना—पत्र में अंकित तथ्यों को मात्र दौहराते हुए अभिकथन किया कि अप्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 673/408/1.27 है0, 674/408/1.34 है0 वाके ग्राम जोधावास में से होकर मौके पर चालू रास्ते को नवीन रास्ता बाबत कृषि कार्य हेतु राजस्व रिकॉर्ड दर्ज कर प्रार्थना पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया। विद्वान अभिभाषक अप्रार्थी ने दौराने—ए—जिरह निवेदन किया कि प्रार्थीगण की आराजी हाल खसरा संख्या 448/1.15 है0 के अतिरिक्त प्रार्थीगण की अन्य खातेदारी आराजी हाल खसरा संख्या 450/0.14, 575/451/0.43, वाके ग्राम जोधावास में एक ही स्थान पर आपस में लगते हुये खसरे के रूप में अवस्थित है। प्रार्थी की खातेदारी आराजी 575/451/0.43, वाके ग्राम जोधावास तक हाल खसरा संख्या 176 किस्म गैर मुमकिन सडक से हाल खसरा संख्या 273, 396, 387, 398, 383, 401, 402, 384 वाके ग्राम जोधावास से होकर मौके पर सीसी रोड चालू है। इस प्रकार प्रार्थीगण को मौके पर चालू रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु हाल खसरा संख्या 273, 396, 387, 398, 383, 401, 402, 384 वाके ग्राम जोधावास के खातेदारों से अनुतोष हेतु चाराजोही करनी चाहिए थी। इसके अतिरिक्त प्रार्थीगण को मौके पर चालू रास्ता के रूप में वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध होने के कारण आत्यान्तिक आवश्यकता नहीं होने के कारण प्रार्थना पत्र खारीज किये जाने का निवेदन किया।
4. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ अप्रार्थी तहसीलदार की मौका—रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम—1955 की धारा 251—'क' का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है—  
**धारा 251—क— अन्य खातेदार की जोत में से होकर भूमिगत पाइपलाइन बिछाना या नया मार्ग खोलना या विद्यमान मार्ग का विस्तार करना—(1) जहाँ**  
(क) कोई अभिधारी, अपनी जोत की सिंचाई के प्रयोजन के लिए किसी अन्य खातेदार की जोत में से होकर भूमिगत पाइपलाइन बिछाना चाहता है या  
(ख) कोई अभिधारी या अभिधारियों का कोई समूह अपनी जोत या, यथास्थिति, उनकी जोतों तक पहुंचने के लिए अन्य खातेदार की जोत में से एक नया मार्ग बनाना चाहता है, या किसी विद्यमान मार्ग को विस्तारित या चौड़ा करना चाहता है—  
और मामला पारस्परिक सहमति से तय नहीं होता है तो ऐसा अभिधारी या, यथास्थिति, ऐसा अभिधारी ऐसी सुविधा के लिए सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी

को आवेदन कर सकेंगे, और उपखण्ड अधिकारी, यदि सक्षिप्त जाँच के पश्चात उसका समाधान हो जाता है कि-

(1) यह आवश्यकता आत्यंतिक आवश्यकता है और यह जोत के केवल सुविधाजनक उपभोग के लिए नहीं है, और

(2) अन्य खातेदार की जोत में से होकर, विशिष्ट नये मार्ग के मामले में, पहुंचने के वैकल्पिक साधन का अभाव सिद्ध किया गया है-

तो आदेश द्वारा, आवेदक को, अभिधारी को, जो उस भूमि को धारित करता, द्वारा सीमांकित या दर्शित लाईन के साथ-साथ भूमि की सतह से कम से कम 3 फिट नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए या ऐसे ट्रैक पर, जो उस अभिधारी द्वारा जो उस भूमि को धारित करता है, दर्शाया जाये, भूमि में से होकर, और यदि ऐसे ट्रैक दर्शित नहीं किया जाये तो लघुत्तम या निकटतम रूट से एक नया मार्ग जो 30 फिट से अनाधिक तक विस्तारित या चौड़ा करने के लिए, उस अभिधारी को, जो उस भूमि को धारित करता है, जिसमें से होकर पाईप लाईन बिछाने या एक नया मार्ग बनाने या विद्यमार्ग को चौड़ा करने का मार्ग मंजूर किया जाये, ऐसे प्रतिकर के संदाय पर जो विहित रीति से उपखण्ड अधिकारी द्वारा अवधारित किया जाये, अनुज्ञात कर सकेगा।

(1) जहाँ-उपधारा (1) के अधीन नया मार्ग बनाने या किसी विद्यमान मार्ग को विस्तारित करने या चौड़ा करने का मार्ग मंजूर किया जाये वहां ऐसे मार्ग को समाविष्ट करने वाली उस भूमि के संबंध में अभिधृति निर्वापित की हुई समझी जायेगी और वह भूमि राजस्व अभिलेखों में "रास्ता" के रूप में अभिलिखित की जायेगी।

(2) वे व्यक्ति, जिनको उपधारा (1) में निर्दिष्ट सुविधाओं में से किसी भी सुविधा के उपभोग के लिए अनुज्ञात किया गया है, उक्त सुविधा के आधार पर उस जोत में, जिसमें से होकर ऐसी सुविधा मंजूर की जाये, कोई भी अन्य अधिकार अर्जित नहीं करेंगे।

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो इस प्रकार है-

**68. Application under Sec. 251-A.** - An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form 1.

**69. Enquiry and disposal of application.** - On receipt of an application in Form I, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.

**70. Determination of compensation.** - (1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and

(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee; constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.

(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955, के नियम 68 लगायत 70 के उद्धरण से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफत हेतु अन्य खातेदारों की आराजी में से होकर रास्ता रिकार्डेड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार है-

1. खातेदार की रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

7. उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र में रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता का जिक्र किया है तथा अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। प्रकरण में भू-अभिलेख निरीक्षक थानागाजी की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 24.02.2023 तथा राजस्व रिकॉर्ड वाके ग्राम जोधावास के अवलोकन से ज्ञात होता है कि प्रार्थीगण की आराजी हाल खसरा संख्या 448/1.15 है0 के अतिरिक्त प्रार्थीगण की अन्य खातेदारी आराजी हाल खसरा संख्या 450/0.14, 575/451/0.43, वाके ग्राम जोधावास में एक ही स्थान पर आपस में लगते हुये खसरे के रूप में अवस्थित है। प्रार्थी की खातेदारी आराजी 575/451/0.43, वाके ग्राम जोधावास तक हाल खसरा संख्या 176 किस्म गैर मुमकिन सडक से हाल खसरा संख्या 273 से होकर आगे चलकर बाईं तरफ घूमकर हाल खसरा संख्या 396 व 387 से होकर हाल खसरा संख्या 398 व 384 की मेड के सहारे-सहारे आगे चलकर हाल खसरा संख्या 398 व 401 की मेड के सहारे-सहारे आगे चलकर दायी तरफ घूमकर खसरा संख्या 401 से होकर हाल खसरा संख्या 402 की पश्चिमी डोल के सहारे-सहारे हाल खसरा संख्या 402 में से होकर आगे चलकर दांयी तरफ पूर्व की ओर घूमकर हाल खसरा संख्या 383 से होकर प्रार्थी की खातेदारी आराजी हाल खसरा संख्या 450/0.14, 575/451/0.43, वाके ग्राम जोधावास तक मौके पर एक निर्मित सीसी रोड चालू है। इस प्रकार प्रार्थीगण को मौके पर चालू उक्त रास्ते को रिकॉर्ड में दर्ज करवाने हेतु हाल खसरा संख्या 273, 396, 387, 398, 383, 401, 402, 384 वाके ग्राम जोधावास के खातेदारों से अनुतोष हेतु चाराजोही करनी चाहिए थी। इस प्रकार प्रार्थीगण को मौके पर चालू रास्ता के रूप में वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध होने के कारण आत्यान्तिक आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है।
8. इस प्रकार प्रार्थीगण की आराजी तक मौके पर सीसी रोड के रूप में वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध होने के कारण रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता नहीं होने के कारण राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क द्वारा आरोपित शर्त संख्या-1 व 2 पुष्ट नहीं होती है। इस कारण प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र अस्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

**प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता नहीं होने एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु उपलब्धता होने के आधार पर अस्वीकार किया जाता है।**

यह आदेश आज दिनांक 03.07.2023 को लिखवाया जाकर सरे-ईजलास सुनाया जाकर अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)  
उपखण्ड अधिकारी / सहायक कलक्टर  
थानागाजी-अलवर